एक्सप्रेस व्यूज़

R.N.I.NO.: UPHIN/2019/77214

वर्ष : 07 अंक : 13 पीलीभीत, जनवरी 2026 (हि0मा0) पृष्ठ 8 मूल्य :5 रूपया

एआई और डेटा में नवाचार के नए मापदंड स्थापित करने के लिए याद किया जाएगा साल 2025 : योगी

लखनऊ,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वर्ष 2026 को राज्य के लिए एक अहम साल बताते हुए कहा कि वर्ष 2025 को टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा-संचालित नवाचार में नए मानक स्थापित करने के लिए याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें और अपने आसपास पांच बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। मुख्यमंत्री ने योगी की पातीश शीर्षक से पोस्ट की गई अपील में कहा, यह आंग्ल वर्ष 2026 में प्रवेश का समय है। 2025 का वर्ष टेक्नोलॉजी, एआई व डेटा में नवाचार के नए मापदंड स्थापित करने के लिए स्मरण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश भविष्योन्मुखी विकास के नए मानक गढ़

रहा है। प्रदेश के डिजिटल भविष्य को दिशा देने और निवेश का केंद्र बनाने में सरकार को आशातीत सफलता मिल रही है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में आगे कहा, निवेश तभी सुरक्षित रह सकता है, जब समाज और राज्य सुरक्षित हों। प्रदेश में सुशासन के राज ने विश्व भर में ब्रांड यूपी को सशक्त किया है। उत्तर प्रदेश अब निवेशकों के विश्वास का राज्य बन गया है। आदित्यनाथ ने एआई तथा अन्य क्षेत्रों में अपनी सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, लखनऊ और नोएडा में एआई सिटी बसाने की तैयारी है।

जेवर में 3,700 करोड़ रुपये से सेमीकंडक्टर इकाई का निर्माण हो रहा है। स्वदेशी सेंटर, सुरक्षित डेटा को ध्यान में रखकर बनी डेटा सेंटर नीति की सफलता दिखने लगी है। पांच हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क का व्यावसायिक उपयोग प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा, डेटा सेंटर क्षेत्र में 30 हजार करोड़ के निवेश का लक्ष्य है। नौ शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किए गए हैं। ड्रोन, रोबोटिक्स और मोबाइल उत्पादन में भी हम नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। श्एआई प्रज्ञाश के माध्यम से 10 लाख नागरिकों को एआई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हजारों नई नौकरियां सृजित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा, मैं चाहूंगा कि मेरे युवा साथी वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें। आप अपने आसपास पांच बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। हर सप्ताह कम से कम एक घंटा ज्ञानदान के लिए निकालें। उन्होंने कहा, सरकार और आपका प्रयास संयुक्त रूप से न केवल विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को पूरा करेगा, अपितु उत्तर प्रदेश को विज्ञान-प्रौद्योगिकी की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने में भी सहायक होगा।

अमित शाह का ममता बनर्जी पर बड़ा आरोप

चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं ममता

कोलकाता : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भाजपा 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी। उन्होंने कहा, हम न केवल घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे।15 अप्रैल 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी, क्योंकि जनता ने अपना मन बना लिया है। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा

आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। शाह ने कहा कि सत्ता में आने के बाद पार्टी पूर्वी सीमाओं से घुसपैठ रोकेगी और बंगाल का पुनरुद्धार सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, भाजपा पश्चिम बंगाल में दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी। शाह ने कहा कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से मतुआ समुदाय के लोगों को डरने की कोई जरूरत नहीं है। शाह ने कहा,हमारा यह संकल्प है कि धार्मिक उत्पीड़न का शिकार हुए सभी शरणार्थियों को देश में शरण दी जाएगी। ममता बनर्जी भी मतुआ समुदाय को नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं। शाह ने आरोप लगाया कि तृणमूल ने भय और हिंसा की राजनीति में वामपंथियों को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, ऐसा माना जाता था कि कम्युनिस्टों की हार के बाद हिंसा और बदले की राजनीति खत्म हो जाएगी लेकिन इन्होंने कम्युनिस्टों को भी पीछे छोड़ दिया है। अब तक 300 से अधिक भाजपा कार्यकताओं की हत्या हो चुकी है। 3,000 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता अब भी अपने घरों को नहीं लौट पाए हैं। उन पर दबाव डाला जा रहा है कि उन्हें तभी घर जाने दिया जाएगा जब वे तृणमूल का झंडा लेकर चलेंगे। उन्होंने कहा, बंगाल की जनता ने भय, भ्रष्टाचार और कुशासन के स्थान पर सुशासन को चुनने का संकल्प लिया है। शाह ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व गिरावट आई है और 7,000 से अधिक उद्योग पलायन कर गए हैं।

नए साल से पहले बारिश बढ़ाएगी ठिठुरन

मौसम विभाग ने जारी किया भीषण ठंड का अलर्ट

लखनऊ,। भीषण ठंड और घने कोहरे की चपेट में आये उत्तर प्रदेश में नए साल से बारिश के आसार जताये गये हैं जिससे ठंड और अधिक बढ़ने की आशंका है। लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर समेत प्रदेश के 37 शहर घने कोहरे और ठंड की चपेट में हैं। मंगलवार को कई इलाकों में दृश्यता का स्तर घटकर मात्र 20 मीटर तक रह गया, जिससे सड़कों पर चलना बेहद जोखिम भरा हो गया है। कोहरे के चलते रेल और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज समेत विभिन्न स्टेशनों से गुजरने वाली 100 से अधिक ट्रेनें 2 से 15 घंटे की देरी से चल रही हैं। वहीं 10 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। बाराबंकी और फतेहपुर प्रदेश के सबसे ठंडे जिले रहे, जहां न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए भीषण ठंड का अलर्ट जारी किया है और लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है। स्थिति को देखते हुए प्रदेश सरकार भी अलर्ट मोड पर है। प्रदेश भर में स्कूल और कॉलेज 1 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं। अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने और कंबल वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को कहा है। सोमवार को प्रदेश के 25 से अधिक शहरों में तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। हाथरस में कोहरे के कारण दो गंभीर सड़क हादसे हुए, जिनमें सात लोग घायल हो गए। लखनऊ स्थित मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह के अनुसार, पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी क्षेत्रों में ठंड बनी हुई है। उन्होंने बताया कि अगले तीन दिनों तक दिन और रात दोनों समय ठंड बढ़ेगी, जबकि 1 जनवरी के आसपास बारिश की संभावना है। भीषण ठंड और घने कोहरे से किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। आलू और सरसों की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को खेतों की नियमित निगरानी करने और कीट व रोग नियंत्रण के लिए जिंक और क्लोरपायरीफॉस के छिड़काव की सलाह दी है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट ने यात्री से की मारपीट, जांच के बाद हुई गिरफ्तारी

नयी दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर एक यात्री पर हमला करने के आरोप में एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक ऑफ-ड्यूटी पायलट को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल जांच में शामिल हुए और अधिकारी ने उनसे पूछताछ की थी। एक बयान में कहा गया, मामला दर्ज होने के बाद जांच प्रक्रिया के दौरान, संबंधित सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए गए और बयान दर्ज किए गए। आरोपी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।सेजवाल के खिलाफ 19 दिसंबर को टर्मिनल-1 की सुरक्षा चौकी के पास हुई हिंसा के संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 126 (गलत तरीके से रोकना) और 351 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर कोहरे का कहर, सैकड़ों फ्लाइट्स कैंसल, यात्री परेशान

नयी दिल्ली: दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण मंगलवार को 100 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं और कम से कम 200 उड़ानों में देरी होने की सूचना है। दिल्ली हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, सुबह आठ बजे तक विभिन्न एयरलाइंस की यहां से जाने वाली 50 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी। इसके अलावा, दूसरे शहरों से यहां आने वाली भी लगभग इतनी ही उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा 200 से अधिक उड़ानों में देरी होने की खबर है। दिल्ली हवाई अड्डे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि सोमवार रात 10 बजे के बाद से ही कैट-3 की प्रक्रिया के तहत उड़ानों का परिचालन शुरू कर दिया गया था।

तीन से हाड़कंपाऊ ठंड होगी शुरू 14 के बाद आएगी कमी

कानपुर। कानपुर 4.4 डिग्री तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां 14 जनवरी तक शीतलहर और पाले का प्रकोप जारी रहने का अनुमान है। घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य बनी हुई है और प्रदूषण का स्तर सामान्य से चार गुना तक अधिक दर्ज किया गया है। प्रदेश में कानपुर की रात सबसे ठंडी रही। रात का तापमान 2.2 डिग्री लुढ़ककर 4.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह दिन का पारा एक डिग्री गिरकर 15.9 डिग्री पर आ गया। मौसम विभाग के अनुसार कंपकंपाती ठंड और कोहरे से नए साल की शुरूआत में भी राहत नहीं मिलेगी। पहली तारीख और दो जनवरी को दोपहर में हल्की धूप निकल सकती है। सुबह से ही धुंध और उत्तर पश्चिमी हवाओं की वजह से ठंडक बढ़ी रहेगी। चार बजे के बाद से फिर शीतलहर शुरू हो जाएगी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम

विभाग के अनुसार, तीन जनवरी के बाद लगातार 14 जनवरी तक शीत दिवस जैसी स्थिति रहने की संभावना है। रात में शीतलहर की स्थिति पूरे कानपुर मंडल में रह सकती है। फसलों में नमी बनाए रखने के सुझाव दिए मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि जनवरी के पहले सप्ताह तक ठंड के साथ कोहरा, धुंध और प्रदूषण में कमी आने की उम्मीद नहीं दिख रही है। तीन जनवरी से रात के समय पाला पड़ना शुरू हो सकता है। ऐसे में लोगों के साथ फसलों को भी नुकसान हो सकता है। इसके लिए फसलों में नमी बनाए रखने के सुझाव दिए गए हैं। दिसबंर में 10 दिन से लगातार शून्य दृश्यता रही ठंड के इस सीजन में लंबे समय बाद दिसंबर में पिछले दस दिन से लगातार हाईवे और शहर के अधिकांश क्षेत्रों में दृश्यता शून्य बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार इस तरह की स्थिति जनवरी में भी होने की संभावना है। इसके अलावा इस महीने 15 दिसंबर से लेकर अभी तक प्रदूषण की स्थिति सामान्य से तीन से चार गुने तक दर्ज की गई। यह स्थिति रात के नौ बजे से लेकर आधी रात तक ज्यादा रही। प्रदूषण की सामान्य स्थिति 50 एक्यूआई निर्धारित की गई है। बताया कि इस बार शीत दिवस की संख्या में भी इजाफा हुआ है। इस महीने के आखिरी दस दिनों में सबसे ज्यादा शीत दिवस रिकार्ड किया गया।

काशी में महाकुंभ जैसी व्यवस्था मैदागिन-गोदौलिया मार्ग नो व्हीकल जोन

वाराणसी। नए साल पर काशी हाउसफुल है। विश्वनाथ धाम और गंगा घाटों की तरफ जाने वाले रास्ते पर पर्यटकों की भारी भीड़ जुट रही है। ऐसे में मैदागिन-गोदौलिया मार्ग को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। नए साल के आगमन से पहले काशी में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ की संभावना को देखते हुए

कमिश्नरेट क्षेत्र में महाकुंभ जैसी व्यवस्थाएं लागू कर दी गई हैं। भीड़ नियंत्रण, सुगम यातायात और सुरक्षा व्यवस्था के तहत 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। पीएसी और आरएएफ की तैनाती भी श्रीकाशी विश्वनाथ धाम समेत श्रीकाशी गोदौलिया-मैदागिन क्षेत्र में की गई है। मैदागिन-गोदौलिया मार्ग को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की ओर वीआईपी वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने मंगलवार शाम गोदौलिया-गिरजाघर और मैदागिन क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने गोदौलिया-गिरजाघर मार्ग पर ई-रिक्शा और ऑटो के संचालन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने के निर्देश मातहतों को दिए। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मैदागिन-गोदौलिया मार्ग को पूरी तरह नो व्हीकल जोन किया गया है। संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पास बैरिकेडिंग कर बाहरी वाहनों को लहुराबीर की ओर जाने से रोका जा रहा है। वाहनों की पार्किंग व्यवस्था संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में की गई है। भीड़ बढ़ने की स्थिति में लहुराबीर चौराहे से पहले ही वाहनों को रोक दिया जाएगा। पुलिस वाहनों की संख्या भी एक निर्धारित मानक के अनुसार ही रखी जाएगी।

10 बीडीओ के खिलाफ डीओ लेटर जारी

बस्ती। ब्लॉकों में सोलर पैनल के जरिये ऊर्जा देने और बिजली खपत कम करने की योजना में 10 बीडीओ की लापरवाही भारी पड़ गई है। डीडीओ ने लापरवाही मामले में इन 10 बीडीओ के खिलाफ डीओ लेटर लिखा है। डीडीओ अजय कुमार सिंह ने डीओ लेटर में लिखा है कि आयुक्त ग्राम्य विकास की ओर से बार-बार ब्लॉकों में सोलराइजेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। बावजूद इसके 10 बीडीओ की ओर से इसमें रुचि नहीं ली गई है। डीडीओ ने 10 बीडीओ को डीओ लेटर के जरिये पीओ नेडा व एक्सईएन बिजली निगम से संपर्क स्थापित करते हुए व्यक्तिगत रुचि लेकर एक सप्ताह के भीतर थ्री-फेज कनेक्शन अधिभार सहित सोलर पैनल स्थापित कराने के निर्देश दिए। डीडीओ ने परशुरामपुर के बीडीओ विनोद कुमार सिंह, गौर के बीडीओ कृष्ण कुमार सिंह, हरैर्या बीडीओ विनय कुमार द्विवेदी, विक्रमजोत बीडीओ अवध प्रताप सिंह, कप्तानगंज बीडीओ चंद्रभान उपाध्याय, सांऊघाट बीडीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव, बस्ती सदर बीडीओ शिवमणि, बनकटी बीडीओ भवानी प्रसाद शुक्ल, बहादुरपुर बीडीओ धीसम प्रसाद, कुदरहा बीडीओ आलोक रंजन पंकज, दुबौलिया बीडीओ संदीप सिंह को पत्र के जरिये अंतिम अवसर दिया गया है।

तरह-तरह के पैंतरों से साइबर अपराधी देते रहे चुनौती

बस्ती। साल 2025 में बस्ती जिले के डिजिटल परिदृश्य में नई- नई चुनौतियों का सामना हुआ। जिले में पूरे साल 74 से अधिक साइबर फ्रॉड शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें 38 म्यूल बैंक खाते और करीब 4.49 करोड़ की अंतरराज्यीय धोखाधड़ी के मामले सामने आए। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. प्रिया मिश्रा बताती हैं कि बस्ती जिले में डिजिटल लेन-देन बढ़ा है, मगर नागरिकों में जागरूकता पर्याप्त नहीं है। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वॉइस कॉल फ्रॉड के मामलों में लोग आसानी से फंस जा रहे हैं। बड़े नेटवर्क वाले क्रिप्टो फ्रॉड ने सबसे ज्यादा असर छोड़ा। आंकड़े बताते हैं कि सबसे हावी ट्रेंड क्रिप्टो और ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड रहा। इसके साथ डिजिटल अरेस्ट और वॉइस कॉल स्कैम भी नागरिकों के लिए खतरा बने। म्यूल बैंक नेटवर्क और व्यक्तिगत खाते से चोरी जैसे फ्रॉड हुए ही, मगर बड़े नेटवर्क वाले फ्रॉड ने सबसे बड़ा प्रभाव छोड़ा।

फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

कानपुर। चकेरी के रामादेवी फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवारों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साथ ही, टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश शुरू कर दी है। कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के रामादेवी फ्लाईओवर पर गुरु हर स्कूल के पास बुधवार को एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक में बैठे दोनों लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बिधनू थाना क्षेत्र के गढेवा मंझावान निवासी रघुराज सिंह (50) अपने भतीजे हिम्मत सिंह (27) दोपहर में 12:30 बजे करीब वापस घर लौट रहे थे। तभी रामादेवी फ्लाईओवर के पास गुरु हर राय अकेडमी स्कूल के पास पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में हिम्मत और रघुराज को कांशीराम अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज गया है। तहरीर के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं, ताकि अज्ञात वाहन की पहचान हो सके।

एक जनवरी से बदल जाएगा 19 ट्रेनों का समय रेल यात्री टाइम टेबल देखकर निकलें

कानपुर। उत्तर-मध्य रेलवे ने एक जनवरी 2026 से कानपुर रूट की 19 ट्रेनों के समय में बदलाव या है, जिसमें संगम, कालिंदी और मेमू जैसी ट्रेनें शामिल हैं। यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए नए टाइम-टेबल के अनुसार स्टेशन पहुंचने की सलाह दी गई है। कानपुर में नए साल के पहले दिन गुरुवार से कानपुर से होकर जाने वाली 19 ट्रेनों का समय बदल जाएगा।

ग्रामीण अंचल में अलाव की व्यवस्था नहीं

बस्ती। ग्रामीण अंचल में अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। ठंड में लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। वहीं, श्रमिक वर्ग ठंड से राहत पाने के लिए कूड़ा- करकट जलाकर आग का इंतजाम कर रहे हैं। ग्रामीण कस्बों और शहर से सटे नगर पालिका सीमा से बाहर प्रमुख ग्रामीण चौराहों पर अलाव के लिए लकड़ियां नहीं गिरवाई गई हैं। जिससे आम लोगों में गुस्सा है। शहरी सीमा से सटे जिगिना, हरदिया, मनौरी, पटेल चौक, हंडिया, प्लॉस्टिक कांपलेक्स, ओड़वारा, सोनूपार, कैली, कृष्णा भगौती, भूअर आदि जगहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। यह स्थल बीडीए क्षेत्र में भले हैं लेकिन, नगर पालिका सीमा से बाहर है। इसलिए प्रशासन और ग्राम पंचायत के भरोसे यहां अलाव की व्यवस्था है। इन जगहों पर सूखी लकड़ियों की आपूर्ति नहीं की गई है। शहर से सटे होने के कारण यहां व्यवसायिक गतिविधियां संचालित होती है। सब्जी, ठेला चालक, ई-रिक्शा चालक आदि अलाव न होने के कारण ठंड का सामना कर रहे हैं।

खाते से 1.95 लाख रुपये उड़ाए, प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र में बैंक खाते से 1.95 लाख रुपये निकालने के मामले में पुलिस ने अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज किया है। पिपरपाती निवासी रवि प्रकाश पाल ने सोमवार को थाने में तहरीर देकर बताया कि उनका उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक कुदरह शाखा का डेविट कार्ड और यूपीआई नंबर से जुड़ा मोबाइल 14 अक्तूबर को कुदरहा बाजार में कहीं खो गया था। 17 अक्तूबर को शाम करीब 3:15 बजे जब वह बैंक में सूचना देने पहुंचे, तब पता चला कि उनके खाते से किसी अज्ञात ने यूपीआई के माध्यम से 1,95,660 रुपये निकाल लिए हैं।

होंठ और तालु कटे 27 बच्चों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

बस्ती। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाई जा रही योजना के तहत कटे होंठ व तालू वाले बच्चों का सफल ऑपरेशन कराया जा रहा है। अब तक ऑपरेशन करा चुके बच्चे अब पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं। यह ऑपरेशन पूरी तरह निशुल्क किया गया है। परिवार के लोग इससे काफी खुश हैं तो बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है। प्रभारी डीईआईसी मैनेजर डॉ. अजय ने बताया कि सदर ब्लॉक की आरबीएसके टीम के डॉ. अमित पांडेय और उनकी टीम ने नबी मुहम्मद निवासी कटरा बुजुर्ग (कटा होंठ और कटा तालू से प्रभावित) एवं दिव्यांशी भारती निवासी भरौली बाबू (कटा तालू) को चिह्नित किया गया। चिन्हित बच्चों का स्माइल ट्रेन के अंतर्गत सावित्री हॉस्पिटल गोरखपुर में सफल और निशुल्क ऑपरेशन कराया गया। डिप्टी सीएमओ व आरबीएसके के नोडल डॉ. एके चौधरी ने बताया कि जनपद में इस सत्र में अब तक कुल 27 कटे होंठ और कटे तालु के बच्चों का आरबीएसके टीमों के सहयोग से सफल ऑपरेशन कराया जा चुका है। टीम भ्रमण कर समस्या से ग्रस्त बच्चों को चिन्हित कर उनका ऑपरेशन करा रही है। कटे होंठ-तालु वाले बच्चों को चिह्नित करके आरबीएसके टीम ऑपरेशन के लिए नामित अस्पताल में भेज रही है। यह योजना पूरी तरह से निशुल्क है।

एक लाख से अधिक बच्चों नहीं हो पाया बायोमैट्रिक

बस्ती। डीएम कृतिका ज्योत्सना की अध्यक्षता में जिला आधार अनुश्रवण समिति की बैठक मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में हुई। उन्होंने पाया कि जनपद में परिषदीय और प्राइवेट स्कूलों के 1,12,440 बच्चों का बायोमैट्रिक कराया जाना है। डीएम ने डीआईओएस व बीएसए को इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए। नवंबर में जनपद में कुल 175 आधार कीटें संचालित रहीं। इसमें इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की प्रगति सबसे खराब पाई गई। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी से समन्वय कर आंगनबाड़ी के बच्चों का आधार बनवाने के निर्देश दिए। डीएम ने उपजिलाधिकारियों को उनके पोर्टल पर 18 से अधिक आयु वर्ग के आधार नामांकन के लिए लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने के निर्देश दिए।

युवती से बदसलूकी विरोध करने पर महिला को पीटा

बस्ती। हरैर्या थाना क्षेत्र के ग्राम सकरदहा में युवती से बदसलूकी का विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट, गाली-गलौज व धमकी देने का आरोप में पुलिस ने दो लोगों पर प्राथमिकी दर्ज किया है। पीड़िता ने तहरीर में आरोप लगाया कि 28 अक्तूबर की रात करीब 10 बजे गांव के ही करन व शीला ने उसकी बेटी के साथ बदसलूकी की। मना करने पर दोनों ने मारपीट करते हुए गाली-गलौज की। पीड़िता जब जान बचाकर घर के अंदर चली गई तो आरोपियों ने ईंट-पत्थर फेंककर हमला किया और जान से मारने की धमकी दी।

स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण मिलने पर दुकानदार को नोटिस

बस्ती। जिला कृषि अधिकारी (डीएओ) डॉ. बाबू राम मौर्य ने मंगलवार को समितियों और निजी क्षेत्र की उर्वरक दुकानों का औचक निरीक्षण किया। दो जगहों पर स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण पाए जाने पर उन्होंने नोटिस भी जारी की है। बहादुरपुर क्षेत्र के अक्सड़ा चौराहा स्थित जिला सहकारी विकास संघ समिति का निरीक्षण किया गया। मौके पर प्रोपराइटर आकाश मौजूद मिले। इस दौरान पीओएस मशीन से स्टॉक का मिलान करने पर भंडारण सही पाया गया। यहां 128 बोरी यूरिया उपलब्ध पाई गई। इस दौरान बिक्री रजिस्टर अपूर्ण पाए जाने के कारण नोटिस निर्गत किया गया। इसके बाद केंद्रीय उपभोक्ता सहकारी भंडार मदारपुर दर्जी पर 409 बोरी यूरिया उपलब्ध पाई गई।

काशीवासियों को भा रहीं विदेशी गाड़ियां छह लैंड क्रूजर

वाराणसी। वाराणसी में वर्ष 2025 में छह लैंड क्रूजर, तीन वेलफायर और तीन डिफेंडर के साथ ही 10 रेंज रोवर खरीदी गईं। इसके साथ ही वाराणसी में बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, जैगुआर और फॉच्यूर्नर जैसी गाड़ियां भी खरीदी जा रही हैं। काशीवासियों को विदेशी गाड़ियां खूब भा रही हैं। पिछले छह महीने में ही छह लैंडक्रूजर, तीन वेलफायर, तीन डिफेंडर और दस रेंज रोवर जैसी गाड़ियां खरीदी गई हैं। इनके पंजीकरण भी परिवहन विभाग में कराए गए हैं। इन गाड़ियों की कीमत डेढ़ करोड़ से पौने तीन करोड़ के बीच है। जीएसटी का स्लैब कम होने का असर इस बार वाहनों की खरीद-बिक्री में देखने को मिला है। महंगी गाड़ियां भी खूब खरीदी गई हैं। संभागीय परिवहन कार्यालय के अनुसार वाराणसी में लैंड क्रूजर, डिफेंडर, वेलफायर और रेंज रोवर लेने वालों की संख्या कम नहीं है। तमाम लोगों ने गाड़ियों की बुकिंग करा रखी है। उन्हें चार से छह महीने की वेटिंग पर मिल रही है। यदि समय पर गाड़ियां मिलें तो यह संख्या और भी बढ़ जाएगी। बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, जैगुआर और फॉच्यूर्नर जैसी गाड़ियां भी लोग खरीद रहे हैं। इनमें से 70 फीसदी गाड़ियां महिलाओं के नाम खरीदी जा रही हैं। नगर निगम ने जारी किया 50 करोड़ का बॉन्ड उद्योग और व्यापार के लिहाज से 2025 काशी के लिए अच्छा रहा। नगर निगम ने 50 करोड़ रुपये का बॉन्ड जारी किया है। साथ ही ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-5 (जीबीसी-5) में वाराणसी में 6000 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष 3944 करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर काम शुरू हो गया है। इससे रोजगार के अवसर बने हैं। जिले में 75 एकड़ में बनने वाले संत कबीर टेक्सटाइल पार्क को यूपी कैबिनेट ने हरी झंडी दिखाई है। टेक्सटाइल पार्क बनने से वाराणसी समेत पूर्वांचल के बुनकरों को रेशम, जरी और धागा के साथ के साथ ही नई तकनीकी के बारे में भी जानकारियां मिलेंगी। यहां टेक्सटाइल और परिधान उद्योग से जुड़े सभी प्रकार के उत्पादों की यूनिटें स्थापित की जाएंगी। धागा निर्माण से लेकर साड़ी बुनाई, प्रिंटिंग, प्रोसेसिंग और फिनिशिंग तक की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। रमना में 289 एकड़ में बनेगा नया औद्योगिक परिक्षेत्र यूपीसीडा ने रमना में 289 एकड़ में नया औद्योगिक परिक्षेत्र बनाने का प्रस्ताव प्रशासन को भेजा है। यहां उद्योग विभाग के ओर से 200 इकाइयां स्थापित की जाएंगी। इनमें छोटे और बड़े उद्योगों को स्थान दिया जाएगा। इससे नए उद्योगों का भी रास्ता साफ होगा। उद्योग विभाग में लंबित पड़े सैकड़ों आवेदनों का भी निपटारा होगा। इससे 5000 युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्हें रोजगार की तलाश में अन्य जिलों और राज्यों में भटकना नहीं पड़ेगा। ट्रंप टैरिफ से लड़खड़ाया हस्तशिल्प का बाजार ट्रंप टैरिफ के बाद पूर्वांचल का निर्यात प्रभावित हुआ है। इसका असर बनारसी साड़ियों के कारोबार पर भी पड़ा है। हस्तशिल्प उद्योग के सामने संकट है। वाराणसी समेत चंदौली, मिजार्पुर और भदोही के हस्तशिल्प कारीगरी को सालाना 2 से 3 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के बाद कारोबार को थोड़ी गति मिली। इससे स्थानीय स्तर पर एक्सपो से कारोबार को रफ्तार मिली। पिंडरा में टेक्नोलॉजी पार्क की सौगात 200 करोड़ की लागत से पिंडरा में टेक्नोलॉजी पार्क के लिए सरकार से जमीन मिली। टेक्नोलॉजी सेंटर बनने से बनारस के साथ ही पूर्वांचल के युवाओं के लिए रोजगार और इंडस्ट्री की संभावनाएं बढ़ेंगी। यहां युवाओं को उद्योग और व्यापार से संबंधित उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण दिए जाएंगे। युवाओं को हवाई जहाज, ट्रेन, बस, मोबाइल जैसे आधुनिक तकनीकी उत्पादों के निर्माण से लेकर डिजाइनिंग तक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। औद्योगिक पार्क के लिए काम शुरू पीडीडीयू नगर-चकिया मार्ग पर चंदाइत में 50 एकड़ में औद्योगिक पार्क बन रहा है। इसके लिए 30 एकड़ जमीन खरीदी गई। औद्योगिक पार्क बनने से पूर्वांचल के 5 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही पलायन भी रूकेगा। इस औद्योगिक पार्क का निर्माण सरकार के प्लेज पार्क पॉलिसी के अंतर्गत डीआरएस इंडस्ट्रियल पार्क एलएलपी द्वारा एक प्राइवेट औद्योगिक पार्क बनाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय एक्सपो से 700 करोड़ के निवेश का खींचा खाका इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के ओर से दिसंबर माह में आयोजित टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी एक्सपो में 6 देशों के साथ 700 करोड़ के निवेश का खाका खींचा गया। 6 देशों से आए नीति-निमार्ता, राजनयिक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, प्रदर्शक तथा विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के साथ एक्सपो के माध्यम से पर्यटन और उद्योगों में निवेश पर सहमति बनी। एक्सपो में 85 से अधिक स्टाल भी लगाए गए, जिससे लाखों का कारोबार भी हुआ। एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पूरे भारत में निवेश, निर्यात एवं आयात का केंद्र बनकर उभरा है, व्यापार सुगमता, निवेश संभावनाओं तथा पर्यटन एवं आतिथ्य परियोजनाओं के लिए प्रदेश एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभरा।

58 सीएचओ की कम मिली उपस्थिति

बस्ती। स्वास्थ्य विभाग में चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों की मंडलीय समीक्षा बैठक मंगलवार को आयुक्त सभागार में हुई। अध्यक्षता मंडलायुक्त अखिलेश सिंह ने की। बैठक में भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा हुई। जिसमें कई योजनाओं की स्थिति ठीक नहीं पाई गई। वहीं, 58 सीएचओ ऐसे हैं जिनकी उपस्थिति औसत से कम पाई गई। नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगने के लिए मंडलायुक्त ने एडी हेल्थ को निर्देश दिए। समीक्षा में जनपद बस्ती में 58 सीएचओ की नवम्बर में 20 दिन से कम उपस्थिति दर्ज की गई है। बस्ती में 70 वर्ष से ऊपर मात्र 35 प्रतिशत लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बना है, बचे हुए लाभार्थियों का कार्ड बनवाने के लिए निर्देश दिए। बस्ती में लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 35 प्रतिशत प्रसव की सूचना प्राप्त है। सीएमओ डॉ. राजीव निगम को निर्देश दिए कि जिन निजी अस्पतालों ने प्रसव की रिपोर्टिंग नहीं है उन्हें नोटिस जारी किया जाए। एफआरयू हरैयां और 100 बेड महिला चिकित्सालय हरैयां में माह नवम्बर में मात्र 4-4 ही सी सेक्शन प्रसव किया गया है जिसपर आयुक्त ने नाराजगी जताई और प्रसव दर सुधारने के निर्देश दिए। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय की ओर से सुओ मोटो रिट पिटीशन (सिविल) नं. (एस.) 5 ऑफ 2025 द्वारा पारित निर्देशों के बारे में बताया, इसके अनुसार सभी सरकारी और निजी चिकित्सालयों में एंटी रेबीज वैक्सीन की शत-प्रतिशत उपलब्ध रखने के लिए निर्देशित किए।

नए साल के जश्न को काशी तैयार गुलदस्ते में बिखरेगी थाइलैंड

वाराणसी। नए साल की अगवानी में काशी में फूलों का बाजार सज गया है। कस्टमाइज गुलदस्तों की मांग बढ़ गई है। यहां बेंगलुरु से देसी-विदेशी फूलों की खेप आ गई है। नए साल के स्वागत और पुराने साल को अलविदा कहने को हर कोई उत्साहित है। नए साल की अगवानी में देसी-विदेशी फूलों की खुशबू भी चारों ओर बिखरेगी। थाईलैंड से लेकर कोलकाता, पुणे और बेंगलुरु सहित अन्य शहरों से इंग्लिश गुलाब, ऑर्किड, कार्नेशन, विक्टोरिया आदि फूलों की खेप हवाई मार्ग से मंगाई जा रही है। लोगों की पसंद के अनुसार कस्टमाइज गुलदस्तों से बाजार सजा हुआ है। कोरियन, चॉकलेटी, मेमोरी और लक्की नंबर वाले गुलदस्तों की खास मांग है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे डिजाइनों के अनुसार भी ऑर्डर दिए जा रहे हैं। कारोबारियों के अनुसार करीब 60 प्रतिशत एडवांस ऑर्डर मिल चुके हैं। एक-दूसरे को गुलदस्ता भेंट कर नए साल की अगवानी करने का चलन तेजी से बढ़ा है। इसी वजह से फूलों का बाजार भी रफ्तार पकड़ चुका है। इस समय शहर में 50 से अधिक गुलदस्तों की दुकानें संचालित हैं। क्रिसमस से दो दिन पहले ही गुलदस्तों की बिक्री में तेजी आ गई थी। थाईलैंड के अलावा कोलकाता, दिल्ली, पुणे और बेंगलुरु से रंग-बिरंगे फूल मंगाए गए हैं। कारोबारी फिरोज विश्वास ने बताया कि खासकर बेंगलुरु से बड़ी मात्रा में फूल मंगाए गए हैं, जिनमें विदेशी फूलों की संख्या अधिक है। वहीं मुन्ना गोवर्धन ने बताया कि सोशल मीडिया पर देखे गए डिजाइनों के आधार पर लोग गुलदस्ते बनवा रहे हैं और अभी से ऑर्डर मिलने लगे हैं। इनमें कोरियन डिजाइन के अलावा हैम्पर, चॉकलेटी, करेंसी, मेमोरी (पति-पत्नी व अन्य के फोटो लगे), फ्लावर, हैंड और राउंड बुके शामिल हैं। कई लोग अपने लक्की नंबर के अनुसार फूलों की संख्या तय कर गुलदस्ते बनवा रहे हैं।

भारत 2026: आगे ऊबड़-खाबड़ रास्ता

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गई। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपनाक्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पूनम आई. कौशिश

जैसे ही 2025 इतिहास में एक उथल-पुथल भरे साल के रूप में दर्ज होता है, एक मिली-जुली स्थिति वाला भारत सावधानी भरी उम्मीद के साथ 2026 में कदम रखता है, क्योंकि उसके सामने नई चुनौतियां हैं। फिर भी, बीते साल की दहलीज से उम्मीद मुस्कुराती है, फुसफुसाते हुए कि यह ज्यादा खुशहाल होगा। क्या ऐसा होगा? निरूसंदेह, प्रधानमंत्री मोदी सही हैं। भारत के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है- ऑपरेशन सिंदूर, महाकुंभ, अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह, पुरुषों की क्रिकेट आई.सी.सी. चौंपियनशिप, महिला क्रिकेट विश्व कप और महिला ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतना, शुक्ला का इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन में पहले भारतीय बनना आदि। फिर भी, हम अभूतपूर्व समय में जी रहे हैं क्योंकि 2025 का अंत भयानक लिंचिंग की एक बदसूरत और शर्मनाक घटना के साथ हुआ, जिसमें दूसरों को अलग-थलग करने की भावना सामान्य होती जा रही है। देहरादून में उत्तराखंडियों द्वारा 24 साल के त्रिपुरा के एक एम.बी.ए. छात्र को नफरत भरे अपराध में चाकू मार दिया गया, उसे चीनी, चिंकी, मोमोज, नेपाली कहकर ताना मारा गया। दक्षिण में, ओडिशा और केरल में 20 साल के एक बंगाली और एक 31 साल के छत्तीसगढ़ी प्रवासी मजदूरों को बंगलादेशी कहा गया। उत्तर-पूर्वी लोगों को राजधानी दिल्ली में नस्लवाद का सामना करना पड़ता है। सवाल यह है कि क्या युवा और मजदूर अपने ही देश में बिना किसी डर के और सुरक्षित रूप से घूम नहीं सकते? दुख की बात है कि किसी भी सरकार ने नफरत भरे अपराध या नस्लवाद को मान्यता नहीं दी, पुलिस हमेशा खतरनाक विचारों और ड्ढ्ढषहसक घटनाओं को छिटपुट घटनाएं कहकर टाल देती है लेकिन वे ऐसी नहीं हैं। वे इस जेनोफोबिया और दूसरों को अलग-थलग करने के पैटर्न हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता और जो स्थानीय नहीं, छात्रों-मजदूरों के लिए अक्सर क्रूर रूप से सामने आते हैं। इसके अलावा, राजनीतिक ध्रुवीकरण और प्रतिस्पर्धा के दौर में, पहचान की बहुलता और ओवरलैपिंग के कारण, हम तेजी से अधिक नस्लवादी, जातिवादी और सांप्रदायिक होते जा रहे हैं, जिससे एक परेशान भारत असहिष्णुता के बढ़ते हमले के तहत अपनी आत्मा की तलाश कर रहा है। इससे भी बढ़कर, काफ्काएस्क जैसी दुनिया में, जहां नस्लीय पहचान एक चिपचिपा बोझ है, जिसे सामाजिक माहौल में हटाना मुश्किल है। चौंकाने वाली बात यह है कि क्रिसमस को आर.एस.एस. से जुड़े विहिप-बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के शर्मनाक व्यवहार ने खराब कर दिया, जिन्होंने कैरल गाने वालों और क्रिसमस समारोहों में तोडफोड़ की, चर्चों और स्कूलों पर हमला किया, सांता कैप बेचने वाले विक्रेताओं को परेशान किया, बिना किसी डर के धर्म परिवर्तन के आरोप लगाए, केरल, असम, ओडिशा, एम.पी., छत्तीसगढ़, हरियाणा और दिल्ली में दृष्टिबाधित ईसाई महिलाओं पर हमला किया। अफसोस की बात है कि न तो पुलिस ने संज्ञान लिया है और न ही धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए एफ.आई.आर. दर्ज की गई है या गुंडों को गिरफ्तार किया गया है। यह एक खतरनाक संदेश भेजता है कि जब राजनीतिक संरक्षण मान लिया जाता है तो सार्वजनिक व्यवस्था और संवैधानिक सुरक्षा को बिना किसी कीमत के मोड़ा जा सकता है। कोई बात नहीं, मोदी ने नुकसान की भरपाई के लिए दिल्ली के एक चर्च में मास में भाग लिया। एक मौलिक सवाल उठता है-क्या भारत सांप्रदायिक सद्भाव और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में बात करने का नैतिक अधिकार रखता है? गहरी समस्या यह है कि पिछले एक दशक में, आत्मनिरीक्षण और सामाजिक सुधार की बजाय, युवाओं के एक बड़े वर्ग को नफरत, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, झूठा गौरव और दूसरों के प्रति तिरस्कार सिखाया गया है। ये भावनाएं अब सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम व्यक्त की जा रही हैं। पाखंड तब स्पष्ट होता है, जब बंगलादेश में हिंदुओं को भीड़ द्वारा जलाने पर गुस्सा व्यक्त करने वाले वही लोग हैं जो भारत के भीतर हत्याओं को सही ठहराते हैं या भीड़ द्वारा पीट-पीटकर की गई हत्याओं का जश्न मनाते हैं। अल्पसंख्यकों और हाशिए पर पड़े लोगों के खिलाफ ड्ढ्ढषहसा को अंदरूनी मामले कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर यही तर्क लगातार लागू किया जाए, तो भारत को दुनिया में कहीं भी मानवाधिकारों के उल्लंघन पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

संपादकीय

आत्ममंथन, संकल्प और मोदी सरकार की अग्नि-परीक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। नया साल एक नए सवेरे की तरह है, जो हर वर्ष एक बार आता है और अपने साथ नई शुरूआत की संभावनाएं लेकर आता है। समय के साथ वह अपने चरम पर पहुंचता है और फिर धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। यही क्रम एक निरंतर अनुभव है, जिसे इस संसार का प्रत्येक व्यक्ति अनुभव करता है। यह निरंतरता ही प्रकृति और जीवन का परम सत्य है। नए वर्ष की शुरूआत प्रत्येक व्यक्ति को पिछले साल के निरंतर प्रवाह और अनुभवों से सीख लेकर अच्छे कार्यों से करनी चाहिए। यह समय आत्मचिंतन का होता है, जब हमें अपने अच्छे-बुरे कार्यों का मूल्यांकन कर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। नए साल की शुरूआत सद्कर्मों, सकारात्मक सोच और स्पष्ट दिशा के साथ करना ही जीवन को सार्थक बनाता है। नया वर्ष हर व्यक्ति के लिये बीते हुए वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियों के साथ.साथ कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करने का समय है। यह हमें अपने आप को भावी वर्ष के लिये योजना बनाने, कार्य करने तथा आगामी वर्ष के लिये नये लक्ष्य तय करने का अवसर प्रदान करता है। नये साल की शुरूआत में हर व्यक्ति को भावी वर्ष के लिये नये लक्ष्य बनाने चाहिए और उन्हें पूरा करने की रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि अवसरों को सफलता में बदला जा सके। यदि व्यक्ति अपने जीवन के आरंभ में ही अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेता है, तो सफलता की दिशा स्वतः स्पष्ट हो जाती है। लक्ष्य हमें अनुशासन, परिश्रम और निरंतर प्रयास की प्रेरणा देते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को नए वर्ष की शुरूआत में वर्ष भर के लिए कुछ स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, ताकि आने वाले समय में वह अपने लक्ष्य के लिए किए गए सत्कर्मों और प्रयासों के माध्यम से निरंतर विकास करता हुआ अपने जीवन के चरम और शिखर तक पहुँच सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते वर्षों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, साथ-साथ अनेक सफलताएँ भी पायी हैं। इन सफलताओं और उपलब्धियों में मोदी सरकार को अपनी गलतियों और कमियों पर पर्दा नहीं डालना चाहिए। बल्कि अपनी गलतियों और कमियों का मूल्यांकन करके भावी वर्ष के लिये रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि गलतियों और कमियों को सुधारकर अवसरों में बदला जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। 2026 में देश के 4 राज्यों- असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल तथा 1 केंद्र शासित प्रदेश- पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में भाजपा के सामने केवल प्रचार का ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की भी चुनौती होगी। इसी क्रम में (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चुनावी तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नए वर्ष में मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित, पारदर्शी और अद्यतन बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से फर्जी, दोहरे या मृत मतदाताओं के नाम हटाकर वास्तविक और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करना निष्पक्ष चुनाव की बुनियाद को मजबूत करता है। इन पाँच चुनावी क्षेत्रों में भाजपा की स्थिति अलग-अलग है। असम में पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार है, जबकि पुडुचेरी में गठबंधन सरकार सत्तारूढ़ है। इन दोनों स्थानों पर सत्ता को बनाए रखना भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। वहीं केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं जहाँ भाजपा अपने संगठन का विस्तार कर राजनीतिक बढ़त बनाने की कोशिश कर रही है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल भाजपा की रणनीति का प्रमुख केंद्र बनता दिखाई दे रहा है। यहाँ राष्ट्रीय मुद्दों के साथ-साथ विशेष गहन पुनरीक्षण जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पक्ष मतदान और जागरूक मतदाता पर जोर देना पार्टी की चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा हो सकता है। असम और पश्चिम बंगाल में लंबे समय से यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए कथित रूप से मतदाता सूची में शामिल होकर वर्षों से मतदान करते आ रहे हैं। यदि ऐसा है, तो यह न केवल भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुचिता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि स्थानीय नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के लिए भी गंभीर चुनौती उत्पन्न करता है। इन्हीं आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया आरंभ की गई है, जिसके तहत मतदाता सूचियों की गहराई से जांच की जा रही है। सरकार का तर्क है कि यह प्रक्रिया विशेष रूप से असम और पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में आवश्यक है, जहाँ अवैध घुसपैठ की समस्या को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

एंजेल चकमा की मौत, देश के लिए सबक

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा से आए छात्र एंजेल चकमा की नस्लवादी नफरत में हत्या कर दी गई। इस घटना पर अब उत्तराखंड से लेकर त्रिपुरा तक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। पूर्वोत्तर के छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं अब भाजपा के नेता भी इस घटना को दुखद आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, तो ऐसा ही विरोध उन्हें उस वक्त भी करना था जब सैंटा क्लॉज की टोपी पहनने या बेचने वालों को प्रताड़ित किया गया। जब जन्मदिन के जश्न में बजरंग दल के गुंडे केवल इसलिए घुसकर मारपीट करने लगे, क्योंकि उसमें अल्पसंख्यक लोग भी थे। अगर अखलाक की लिंचिंग के बाद ही बता देना चाहिए। वैसे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 29 तारीख को पीड़ित के पिता से फोन पर बात की और आश्वासन दिया कि कोई बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने त्रिपुरा की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री माणिक साहा से भी फोन पर बात की। पीड़ित के पिता से बात करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने बाकायदा वीडियो

और चिंतनीय बता रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में नस्लवाद और भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी जाति, नस्ल या धर्म के लोगों का मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पूर्वोत्तर के लोग ही नहीं, बल्कि सभी को इस तरह की घटनाओं से दुखी होना चाहिए, क्योंकि यह किसी के साथ भी हो सकता है।एक बेकसूर नागरिक को केवल उसके चेहरे-मोहरे के कारण मार देना दुख और नाराजगी की बात तो है ही, उससे भी अधिक गहरी चिंता की बात है कि एक समाज के तौर पर हम पागलपन के किस दौर में पहुंचा दिए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को कपड़ों से पहचान करने के लिए उकसाया तो अब उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए लोग कपड़ों के साथ-साथ खान-पान, नाम, नैन-नक्श से भी पहचान करने लगे हैं कि कौन हमारे जैसा है और कौन नहीं। जो हमारी तरह नहीं है, बहुसंख्यकों में शामिल नहीं है, उसे अल्पसंख्यक भी न रहने दिया जाए, बल्कि उसका अस्तित्व ही मिटा दिया जाए, इसी उन्मादी सोच का शिकार देश हो चुका है।भाजपा ने सत्ता पाने और उस पर जमे रहने के लिए लोगों में जो फूट डालनी शुरू की है, अब उसकी पराकाष्ठा देखी जा सकती है। किरण रिजिजू को अब अगर लग रहा है कि जाति, नस्ल या धर्म के किरण रिजिजू भीड़ की हिंसा के खिलाफ बोलते या झारखंड में मॉब लिंचिंग के आरोपियों को जब भाजपा नेता जयंत सिन्हा माला पहना रहे थे, तब उनकी मुखालफत करते, तब तो उनकी चिंता जायज लगती। लेकिन अभी तो ऐसा लग रहा है कि पूर्वोत्तर में भाजपा की स्थिति कमजोर न हो जाए, इस डर से किरण रिजीजू पीड़ित के पक्ष में बोल रहे हैं।गनीमत यही है कि वो बोल रहे हैं, वर्ना देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को तो शायद ऐसी घटनाएं संबोधित करने लायक लगती ही नहीं हैं। वैसे भी इस समय उनका पूरा ध्यान इस समय बंगाल चुनाव पर हैं, जहां से घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालने की प्रतिबद्धता मोदी-शाह दिखा रहे हैं। हालांकि वे अब तक ये नहीं बता पाए हैं कि इससे पहले झारखंड, दिल्ली और बिहार में उन्हें कितने घुसपैठिए मिले हैं और उन पर क्या कार्रवाई की गई है। घुसपैठिए का डर बढ़ाकर भी देश में अल्पसंख्यकों और बांग्लाभाषियों के लिए खतरे बढ़ा दिए गए हैं। मजदूरी या अन्य कार्यों में रत बांग्लाभाषियों को कई बार घुसपैठिए होने के नाम पर प्रताड़ित होना पड़ा है। इस सिलसिले में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर चिंता जाहिर की है कि प्रवासी बंगाली मजदूरों के साथ हो रहे भेदभाव पर कार्रवाई की जाए।तो किरण रिजीजू मुंहजुबानी जो चिंता जतला रहे हैं, उसे अपनी पार्टी के भीतर उन्होंने व्यक्त किया है या नहीं, ये भी बनवाया और उसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया। सवाल ये है कि क्या भाजपा के लोगों में शर्म और संवेदनशीलता का भाव रंचमात्र भी बचा है या नहीं। क्योंकि 9 तारीख की घटना पर प्रतिक्रिया देने में मुख्यमंत्री को पूरे 20 दिन लग गए। जबकि घटना उसी देहरादून में हुई, जहां वो रहते हैं। क्या मुख्यमंत्री को यह खबर ही नहीं थी कि राजधानी में एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल को बीच बाजार में श्चीनीश, श्चिंकीश और श्मोमोश जैसे अपमानजनक शब्द कहकर छेड़ा गया और विरोध करने पर उन्हें इतनी बुरी तरह मारा गया कि उनकी जान ही चली गई। अगर मुख्यमंत्री इस घटना से अनजान थे तो फिर यह माना जा सकता है कि सरकार का सूचना तंत्र बेहद कमजोर है और उन्हें इस पद पर रहने का अधिकार नहीं है। और अगर उन्हें इस नस्लीय हिंसा की जानकारी थी तो फिर इतने दिन चुप्पी क्यों लगाई गई, यह भी विचारणीय है। राहुल गांधी ने सही लिखा है कि नफरत रातोंरात नहीं पैदा होती। सालों से इसे रोजाना पोषित किया जा रहा है- खासकर हमारी युवा पीढ़ी को- जहरीले कंटेंट और गैरजिम्मेदार बातों से। और सत्ता में बैठी बीजेपी की नफरत उगलने वाली नेतागिरी इसे सामान्य बना रही है। हम प्यार और विविधता का देश हैं। हमें ऐसा मरा हुआ समाज नहीं बनना चाहिए जो अपने साथी भारतीयों पर हमले होते देखकर मुँह फेर ले। हमें सोचना होगा और सामना करना होगा कि हम अपने देश को क्या बनने दे रहे हैं।

एक करोड़ की मार्फिन के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार, 990 ग्राम मार्फिन बरामद

लखनऊ(संवाददाता)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) लखनऊ ने साल के आखिरी दिन बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब एक करोड़ रुपए की मार्फिन बरामद की है। यह कार्रवाई थाना नगराम क्षेत्र में हुई है। एएनटीएफ टीम ने थाना नगराम क्षेत्र में घुड़सारा पुलिया (बड़ी नहर) के पास दबिश दी। मौके से कुलदीप सिंह और अंकुश यादव को गिरफ्तार किया गया। दोनों रायबरेली जिले के निवासी हैं और लंबे समय से मार्फिन की अवैध खरीद-फरोख्त में सक्रिय थे। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 990 ग्राम मार्फिन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। एक दोपहिया वाहन, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 250 रुपए नकद बरामद हुए हैं। इस संबंध में थाना नगराम में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। दोनों अभियुक्तों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि वे अधिक पैसे कमाने के लालच में मार्फिन की तस्करी करने लगे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि वे नशीले पदार्थ की खरीद-फरोख्त कर मोटा मुनाफा कमाते थे और इसी सिलसिले में ग्राहक तलाशते हुए लखनऊ पहुंचे थे, तभी एएनटीएफ टीम के हत्थे चढ़ गए।

राजधानी में नशे के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग निकाला मार्च

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बुधवार को 2 हजार लोगों ने नशे का विरोध किया। शहीद स्मारक से हजरतगंज गांधी प्रतिमा तक मार्च निकाला। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर की अगुवाई में मार्च निकाला गया। नशा मुक्ति यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। नशमुक्त युवा फार विकसित भारतश के तहत नशा के प्रति समाज को जागरूक किया। नशा नाश कि जड़ है, युवाओं नशे से दूर रहो नारा लगाया कौशल किशोर ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी तेजी से नशे के चपेट में आ रही है। अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत हिंदुस्तान में विभिन्न प्रकार के ड्रग्स और नशीले पदार्थ की स्मगलिंग की जा रही है। नशे के कारण बड़ी संख्या में युवक और युक्तियां मौत के मुंह में जा रही है। जो ताकते हमारी सेना से नहीं लड़ पा रही है वो नशे का सहारा लेकर युवाओं को बर्बाद कर रही है 2020 में शराब के कारण मेरे बेटे की मौत हुई। इसके बाद हम लोग राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। कौशल किशोर ने कहा कि पीएम मोदी ने यह घोषणा किया है कि वर्ष 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत के साथ हम लोग नशा मुक्त भारत का बनाएं। पीएम मोदी के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत लगातार काम कर रहे हैं। नए वर्ष के आगमन पर नशा का व्यापार तेजी से सफलता-फूलता है। युवा पीढ़ी को लालच देकर न्यू ईयर की पार्टी में नशे के मुंह में धकेला जाता है। हमारा प्रयास है कि इस बार किसी भी युवक को इस दलदल में न जाने दे और सबको नशा मुक्ति से जोड़ें। कौशल किशोर ने कहा कि नए साल पर बार और लॉन्ज न जाए। नई सुबह कि शुरूआत धार्मिक स्थलों पर जाएं मंदिर जाएँ, गुरुद्वारा जाएं ,मस्जिद जाएं नए साल की शुरूआत अच्छे काम से होनी चाहिए। शराब पीने से चरस-गांजा लेने से नहीं होनी चाहिए। प्रतिवर्ष 20 लाख से अधिक लोगों की कैंसर से मौत होती है। ये आंकड़े बेहद डरावने है। जबकि देश की कुबार्नी में 4 लाख 32 हजार लोगों ने शहादत दिया। नशेड़ी व्यक्ति आर्थिक रूप से पूरा बर्बाद हो जाता है। आर्थिक चोट की वजह से परिवार बिखर जाता है इसलिए नाशे से दूरी बेहद जरूरी है।

राजधानी के मंदिरों में नए साल को लेकर विशेष तैयारी, तड़के से खुल जाएगा कपाट

लखनऊ(संवाददाता)। न्यू ईयर 2026 के स्वागत को लेकर राजधानी लखनऊ के मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जहां एक ओर लोग जश्न और पार्टी की प्लानिंग में जुटे हैं, वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालु नए साल की पहली सुबह भगवान के दर्शन और आशीर्वाद के साथ शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। 1 जनवरी को मंदिरों में दर्शन करना आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। इसी को देखते हुए लखनऊ के प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, दर्शन व्यवस्था और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मंदिर समितियों का कहना है कि 1 जनवरी को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है, जिसके लिए प्रशासन और स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। न्यू ईयर 2026 के मौके पर हनुमान सेतु मंदिर, श्री श्याम मंदिर, हनुमत धाम मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, चौक स्थित बड़ी काली मंदिर और अलीगंज के प्राचीन हनुमान मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। इन मंदिरों में दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए कतार प्रणाली, सुरक्षा जांच और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्री श्याम मंदिर समिति के पदाधिकारी पंकज मिश्रा ने बताया कि नववर्ष पर भक्तों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है। गर्भगृह से दर्शन बंद कर दिए गए हैं। अब श्रद्धालु बाहर से दर्शन करेंगे।श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बैरिकेडिंग और ब्लॉक सिस्टम लागू किया गया है। दर्शन के लिए दाहिनी और बाईं ओर दो अलग-अलग लाइनें बनाई गई हैं। प्रत्येक लाइन में एक समय में पांच श्रद्धालु चल सकेंगे। दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु गोमती रिवरफ्रंट की ओर से बाहर निकलेंगे। पार्किंग की व्यवस्था दो स्थानों पर की गई है। एक उत्तराखंड महोत्सव मेला स्थल पर और दूसरी मंदिर परिसर के बाहर रिवरफ्रंट की ओर। मंदिर परिसर की पार्किंग केवल जूते-चप्पल के लिए आरक्षित रहेगी। दर्शन मार्ग में जूते-चप्पल उतारने की कोई व्यवस्था नहीं होगी।

फुफेरे भाई ने रेप किया तो छात्रा ने जान दी, सुसाइड नोट में लिखा-कड़ी सजा मिले

लखनऊ(संवाददाता)। पारा थाना क्षेत्र में बीए प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने छात्रा के फुफेरे भाई पर रेप का आरोप लगाया है। सोमवार को बलरामपुर अस्पताल में इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई। मृतका मूल रूप से हरदोई जिले की निवासी थी और अपने परिवार के साथ लखनऊ के पारा इलाके में रहती थी। छात्रा के पिता सब्जी बेचते हैं। परिजनों के अनुसार, 15 दिसंबर को छात्रा के मां-बाप और दो भाई गांव गए थे। वह अपनी नानी के साथ घर पर थी। छात्रा के घर में पिछले 6 साल से उसका फुफेरा भाई भी रहता है। वह ई-रिक्शा चलाता है। आरोप है कि 18 दिसंबर को फुफेरे भाई ने छात्रा के साथ रेप किया। 25 दिसंबर की शाम छात्रा ने गांव में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया था। छात्रा की मौत के बाद परिजनों को उसके मोबाइल फोन में सुसाइड नोट की तस्वीर मिली। एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ। सुसाइड नोट में छात्रा ने फुफेरे भाई पर रेप का आरोप लगाया है। उसने लिखा है कि विरोध करने पर आरोपी ने पिता की हत्या की धमकी दी। छात्रा ने अपनी मौत के लिए मां-बाप या परिवार को जिम्मेदार नहीं ठहराया। फुफेरे भाई को जिम्मेदार बताते हुए उसे सख्त सजा देने की मांग की है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। परिजनों द्वारा संपर्क करने पर उसका मोबाइल फोन बंद मिला। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जाएगी।

सीएम का फेक बयान एक्स पर पोस्ट किया, दर्ज हुई एफआईआर

लखनऊ(संवाददाता)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। बनारसी बाग नरही निवासी राजकुमार तिवारी की तहरीर पर यह एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि केआरके एक्स हैंडल के जरिए मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया है। हजरतगंज कोतवाली में दर्ज एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता राजकुमार तिवारी पुत्र मुन्ना लाल तिवारी ने बताया कि उन्होंने अपने मोहल्ले में किसी व्यक्ति के मोबाइल पर एक पोस्ट देखी। यह पोस्ट एक्स हैंडल (केआरके) से की गई थी, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर आपत्तिजनक और भ्रामक टिप्पणी की गई थी। तहरीर में उल्लेख किया गया है कि पोस्ट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो लगाकर एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के नाम से जुड़ा स्क्रीनशॉट साझा किया गया। इसमें यह दशार्ने का प्रयास किया गया कि मुस्लिम, दलित और यादव वोट न मिलने के बावजूद सरकार बनाई जा सकती है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह स्क्रीनशॉट झूठा और फर्जी है, जिसे जानबूझकर एक गलत नरेटिव गढ़ने के लिए प्रसारित किया गया। राजकुमार तिवारी का कहना है कि मुख्यमंत्री की फोटो के साथ इस तरह की भ्रामक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल कर उनकी और सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। उन्होंने तहरीर में यह भी उल्लेख किया कि इस पोस्ट को देखकर हिंदू समाज में आक्रोश व्याप्त है और इसे बेहद निंदनीय कृत्य बताया। शिकायतकर्ता ने एक्स पर की गई पोस्ट की छायाप्रति भी प्रार्थना पत्र के साथ पुलिस को सौंपी है। इसी आधार पर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। हजरतगंज कोतवाली पुलिस के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है। संबंधित एक्स हैंडल, पोस्ट की सत्यता, स्क्रीनशॉट और तकनीकी साक्ष्यों की जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कदम उठाए जाएंगे।

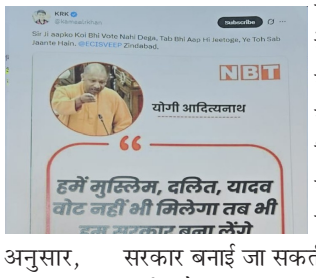

घने कोहरे के कारण 3 फ्लाइट डिले, 2 कैंसिल

लखनऊ(संवाददाता)। घने कोहरे ने बुधवार को भी विमान सेवाओं की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर विजिबिलिटी बेहद कम रहने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें घंटों देरी से संचालित हुईं, जबकि कुछ उड़ानों को रद्द करना पड़ा। लगातार बदलते शेड्यूल से यात्रियों को लंबा इंतजार और अनिश्चितता का सामना करना पड़ा। बुधवार सुबह खाड़ी देशों से आने वाली उड़ानें सबसे ज्यादा प्रभावित रहीं। दम्माम से सुबह 5.15 बजे लखनऊ पहुंचने वाली फ्लाइनेस की उड़ान (एक्सवाई 896) करीब साढ़े आठ घंटे देरी से दोपहर 1.40 बजे पहुंची। रियाद से सुबह 7.45 बजे आने वाली फ्लाइनेस की उड़ान (एक्सवाई 333) छह घंटे से ज्यादा की देरी के बाद दोपहर 1.55 बजे लखनऊ पहुंच सकी। घरेलू उड़ानों पर भी कोहरे का असर साफ दिखा। दिल्ली से सुबह 7.10 बजे आने वाली एयर इंडिया की उड़ान (एआई 2499) को रद्द कर दिया गया। मुंबई से सुबह 8.35 बजे पहुंचने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (एक्सआई 1026) निर्धारित समय से देरी से सुबह 9.02 बजे लखनऊ पहुंची। रात में दिल्ली से 21.40 बजे आने वाली एयर इंडिया की एक और उड़ान (एआई 1720) भी खराब मौसम के चलते निरस्त कर दी गई। लगातार दूसरे दिन उड़ानों के प्रभावित रहने से एयरपोर्ट पर यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। कई यात्री सुबह से एयरपोर्ट पर इंतजार करते दिखे, जबकि कुछ को फ्लाइट कैंसिल होने के कारण वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ा।

सनातन का लौटा वैभव, युवाओं में बढ़ा काशी, मथुरा और अयोध्या का क्रेज

लखनऊ(संवाददाता)। नए साल का जश्न मनाने के लिए जहां युवा पहले पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित होकर डिस्को, होटल, रेस्टोरेंट और हिल स्टेशनों का रुख करता था, इस साल इसमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन के पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में जिस तरह से धार्मिक और पर्यटन स्थलों का विकास हुआ है, उसका ही परिणाम है कि युवा लाखों की संख्या में काशी, मथुरा-वृंदावन और अयोध्या में नए साल की शुरूआत अपने इष्ट का दर्शन-पूजन से कर रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश से उठी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की वो लहर है, जिसमें न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के युवा, लड़के-लड़कियां नए जोश और उत्साह के साथ सम्मिलित हो रहे हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार इस वर्ष नए साल से कई दिन पहले से ही प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों काशी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज में लाखों की संख्या में युवा पर्यटक पहुंच रहे हैं। 29-30 दिसंबर को ही अयोध्या में भगवान श्रीराम का दर्शन करने 5 लाख से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं, जबकि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में पिछले तीन दिनों में 10 लाख और मथुरा में 3 लाख से अधिक पर्यटकों ने दर्शन पूजन किया। युवा पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक है। श्रद्धालुओं की आमद को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने विशेष सुरक्षा प्रबंध किए हैं।युवा नए साल के जश्न में इन धर्म स्थलों पर दर्शन पूजन कर, दोस्तों और परिवारजनों के साथ सेल्फी अपलोड कर रहे हैं।यह रुझान पिछले वर्ष प्रयागराज में महाकुंभ में भी देखने को मिला था, जिसमें न केवल देश बल्कि विश्व के कोने-कोने से श्रद्धालु और पर्यटकों ने आकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह से प्रदेश में धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सांस्कृतिक पुनरुत्थान हुआ है, उसने युवाओं के मन में आध्यात्मिक उत्साह और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अलख जगाई है। काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र का कहना है, सनातन संस्कृति उत्सव, उत्साह एवं उल्लास की आश्रयस्थली है।

नववर्ष में होगा योगी कैबिनेट के विस्तार

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी में बीजेपी संगठन और सरकार में

बदलाव के आसार प्रबल है। नए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी की नियुक्ति के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा है।प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी दिल्ली गए हैं। योगी कैबिनेट विस्तार में भूपेंद्र चौधरी की सरकार में वापसी हो सकती है। आधा दर्जन नए चेहरे मंत्री बनाए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सदारत में गहन मंथन हो चुका है। बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी बनने के बाद संघ, संगठन और सरकार की पहली बैठक थी। बताते हैं कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी सहित आधा दर्जन विधायकों को मंत्री बनाने पर गंभीर विचार किया गया। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते जातीय समीकरणों को साधने पर विशेष जोर दिया गया। संगठन के पुनर्गठन की भी रूपरेखा तैयार की गई। पंकज चौधरी दिल्ली में हैं। दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही मंत्रिमंडल विस्तार पर अमल हो सकता है।नए वर्ष में जनवरी या फरवरी में विस्तार की संभव है। योगी सरकार में वर्तमान में 54 मंत्री हैं, जबकि अधिकतम 60 तक जगह है। 6 नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। जाट नेता भूपेंद्र चौधरी की कैबिनेट में वापसी लगभग तय है। क्षेत्रीय और जातीय संतुलन के लिए अन्य नामों पर भी मंथन चल रहा है। विस्तार को मिशन-2027 की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लुलु मॉल लखनऊ द्वारा आयकर मामले पर स्पष्टीकरण

लखनऊ(संवाददाता)। लुलु मॉल लखनऊ और लुलु हाइपरमार्केट उत्तर प्रदेश और लखनऊ के लोगों के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जिनके जबरदस्त समर्थन ने मॉल को इस क्षेत्र में एक प्रमुख गंतव्य बना दिया है। लुलु ने राज्य में महत्वपूर्ण दीर्घकालिक निवेश किया है, जिसे मुख्य रूप से बैंक वित्तपोषण के माध्यम से वित्तपोषित किया गया है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में इसके विश्वास और सतत विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हाल ही में आयकर विभाग द्वारा बैंक खातों को फ्रीज किए जाने संबंधी खबरों के संदर्भ में, लुलु स्पष्ट करता है कि वह एक पूर्णतः नियमों का पालन करने वाला संगठन है और उसने लागू कानूनों के अनुसार सभी वैधानिक नोटिसों का विधिवत उत्तर दिया है। एक पूर्णतः अनुचित आयकर मांग को माननीय उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिस पर दिनांक 22 अप्रैल 2025 के आदेश द्वारा यह निर्देश दिया गया कि मामले का निस्तारण होने तक कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। अपील एवं स्थगन (स्टे) आवेदन वर्तमान में आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित हैं और मामला वर्तमान में सुलझ गया है। लुलु सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले आधारहीन आरोपों का पुरजोर खंडन करता है और विश्व स्तरीय रिटेल अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित रखता है।

रातभर में चांद जैसा खिलेगा चेहरा, अगर आज इस्तेमाल कर लिया ये एक नुस्खा

अगर आप 1 जनवरी को दमकती त्वचा पाना चाहती है तो आज एक खास नुस्खे का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा कल खिल उठेगी। नया साल बस कुछ ही घंटों की दूरी पर है। ऐसे में अब हर कोई चाहता है कि 1 जनवरी की सुबह उसकी त्वचा दमकती, ताजी और ग्लोइंग नजर आए। खासकर महिलाएं न्यू ईयर सेलिब्रेशन में बिना मेकअप के भी नेचुरल खूबसूरती दिखाना चाहती हैं। लेकिन बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस और प्रदूषण के कारण त्वचा की चमक धीरे-धीरे कम हो जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू नुस्खे इस समस्या को तुरंत दूर कर सकते हैं। अगर आज रात सोने से पहले सही तरीके से स्किन केयर कर ली जाए, तो अगली सुबह चेहरे पर नेचुरल ग्लो साफ नजर आता है। इस लेख में हम आपको एक ऐसा आसान, सुरक्षित और असरदार घरेलू नुस्खा बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आपकी त्वचा ओवरनाइट रिपेयर होगी और 1 जनवरी को आपकी स्किन खिली-खिली और हेल्दी दिखेगी। ये नुस्खा हर स्किन टाइप के लिए फायदेमंद माना जाता है।

नुस्खे के लिए चाहिए होगा ये सामान

1 चम्मच एलोवेरा जेल
1 चम्मच शहद
2-3 बूंद गुलाब जल
1 कैप्सूल विटामिन-ए (वैकल्पिक)

आज कर लें ऐसे स्किन केयर, जिससे 1 जनवरी को चमक जाए आपकी स्किन - इंस्टाग्राम इस घरेलू नुस्खे का इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले चेहरे को किसी माइल्ड फेसवॉश से अच्छी तरह साफ करें ताकि धूल-मिट्टी और मेकअप के अवशेष हट जाएं। इसके बाद एलोवेरा जेल, शहद, गुलाब जल और विटामिन-ए को एक साफ कटोरी में अच्छी तरह मिला लें। तैयार मिश्रण को उंगलियों की मदद से चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से लगाएं। लगभग 2 से 3 मिनट तक हल्की मसाज करें ताकि ये त्वचा में अच्छी तरह से सेट हो जाए।इसे रातभर लगा रहने दें और सुबह उठकर सादे पानी से चेहरा धो लें। इस नुस्खे का नियमित इस्तेमाल त्वचा को गहराई से

नमी देता है और ड्राइनेस की समस्या को दूर करता है। एलोवेरा त्वचा को ठंडक पहुंचाकर रिपेयर करता है, वहीं शहद नेचुरल मॉइश्चराइजर की तरह काम करता है। गुलाब जल त्वचा को फ्रेश और टोन करता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल चमक आती है। विटामिन-ए त्वचा की कोशिकाओं को पोषण देकर फाइन लाइंस और डलनेस को कम करने में मदद करता है, जिससे स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग दिखती है। इस नुस्खे को इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, खासकर अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है। किसी भी सामग्री से एलर्जी होने पर इसका इस्तेमाल न करें। बहुत ज्यादा मात्रा में फेस पैक न लगाएं और आंखों के आसपास लगाने से बचें। अगर चेहरे पर ज्यादा पिंपल्स, जलन या किसी तरह का स्किन इंफेक्शन है, तो इस नुस्खे को अपनाने से पहले त्वचा विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होगा।श इस नुस्खे का सबसे अच्छा समय रात को सोने से पहले होता है, क्योंकि रात के समय त्वचा खुद को रिपेयर करती है। खास मौकों जैसे न्यू ईयर, पार्टी या किसी खास इवेंट से एक दिन पहले इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में इंस्टेंट ग्लो नजर आता है। सर्दियों में ड्राई और बेजान त्वचा के लिए इसे हफ्ते में 2 से 3 बार लगाया जा सकता है, जिससे स्किन लंबे समय तक हेल्दी और चमकदार बनी रहती है।

घर से बुलाकर की थी युवक की हत्या 3 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ(संवाददाता)। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में अलमास सिद्दीकी उर्फ अज्जू की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आज, बुधवार दोपहर 2 बजे डीसीपी साउथ कार्यालय में पुलिस इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक अलमास की ममेरी बहन को गांव का रमजान काफी समय से परेशान कर रहा था। इस बात की जानकारी ममेरी बहन ने अलमास को दी। करीब 20 दिन पहले अलमास ने रमजान की पिटाई कर दी। इसी घटना को लेकर रमजान उससे रंजिश रखने लगा और उसकी हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि इसी बात को लेकर रमजान ने अपने साथियों के साथ मिलकर अलमास को घर से बुलाया और उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सड़क किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया, ताकि मामला दुर्घटना लगे। आरोपियों ने मृतक का मोबाइल फोन नहर में फेंक दिया, जिसकी बरामदगी के लिए पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रही है। मृतक के पिता रवी मोहम्मद निवासी मऊ थाना मोहनलालगंज ने पुलिस को दी गई तहरीर में स्पष्ट आरोप लगाते हुए कहा था कि उनका बेटा सोमवार शाम करीब 7.30 बजे घर से निकला था, जिसके बाद वापस नहीं लौटा। मंगलवार को उसका शव मऊ बड़ी नहर के किनारे खेत में पड़ा मिला। गांव के लोगों ने बताया था कि आखिरी बार अलमास को रमजान और उसके साथियों के साथ देखा गया था। परिजनों ने युवक रमजान व उसके साथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस से शिकायत की थी।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के वार्षिकोत्सव में अयोध्या पहुंचे राजनाथ

लखनऊ(संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के विराजमान होने के प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह के द्वितीय वार्षिकोत्सव में शामिल होने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अयोध्या धाम पहुंचे। इस पावन अवसर पर उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में हनुमान जी का दर्शन पूजन कर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के दर्शन किये। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया। रक्षा मंत्री ने मनोभावों को व्यक्त करते हुए कहा कि ह्वनाथ आजु मैं कहा न पावाह्व। ऐसा लग रहा है कि जीवन में मैं जो पाना चाहता था, वह सब कुछ मुझे मिल गया। राघवेंद्र सरकार ने इस दिन के लिए स्वयं मुझे चुना था, इसलिए आज यह अवसर मुझे मिल रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यशाली दिन बताते हुए कहा, ध्आज से दो वर्ष पूर्व जब प्रभु श्रीराम यहां पुनर्प्रतिष्ठित हुए, वो समस्त भारतवासियों के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण था। प्रभु श्रीराम अपनी कीर्ति से आज केवल भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को विभूषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की हर गली-हर चौराहा राममय हो गया हो। कनक भवन, दशरथ महल, हनुमानगढ़ी, संपूर्ण अयोध्या मां सरयु की गोद में शोभायमान हो रही है। यह आभा केवल अयोध्या क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण अवध और भारतवर्ष आज राममय है। उन्होंने इस दिन को गौरवपूर्ण बताते हुए याद दिलाया कि यह वही भूमि है, जिसने वर्षों तक भगवान राम के लिए असहनीय बलिदान दिया, अपमान सहा, लेकिन आस्था को कभी डिगने नहीं होने दिया। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को राजनाथ सिंह ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा कहा।

पार्टी के लिए ऐसे हों तैयार कि सर्दी भी आपका कुछ बिगाड़ नहीं पाए

अगर आप नए साल की पार्टी में स्टाइलिश दिखना चाहते हैं तो सर्दी के कपड़ों को खास अंदाज में स्टाइल करें। अगर आप भी नए साल की पार्टी में स्टाइलिश दिखना चाहते हैं, लेकिन आपको सर्दी बहुत लगती है तो ये लेख आपके काम का होने वाला है। दरअसल, आज-कल ठंड इतनी ज्यादा है कि आपको सर्दियों में पार्टी आउटफिट की नहीं, बल्कि ऐसे कपड़ों की जरूरत है जिससे शरीर को सर्दी से बचाया जा सके। पर, दिक्कत ये है कि सर्दी के कपड़ों को सही से स्टाइल करना हर किसी को नहीं आता। ऐसे में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे टिप्स, जिनकी मदद से आप सर्दी की पार्टी में भी सबसे स्टाइलिश दिख सकती हैं। सर्दियों के कपड़े पहनकर न सिर्फ आप ठंड से बचते हैं, बल्कि पार्टी में भी सबकी नजरें आप पर टिकी रहेंगी। तो बस इस बार अपने सर्दी के कपड़ों को नए तरीके से स्टाइल करें और कुछ फैशनेबल और ट्रेंडी लुक्स अपनाएं। सर्दियों में सबसे जरूरी और स्टाइलिश आउटफिट होता है कोट। आप एक क्लासिक ट्रेंच कोट, डबल-ब्रेस्टेड कोट या फिर एक लंबा कोट किसी ड्रेस के साथ भी पहन सकती हैं। इसे एक बेल्ट के साथ या बिना बेल्ट के पहन कर आप और भी आकर्षक दिख सकती हैं। चाहें तो इसे जींस और फिटिड टॉप के साथ कैरी करें। आज के समय में एक बार फिर से पुराना फैशन वापस आ रहा है। ऐसे में आप चाहें तो प्यारे से स्वेटर या टर्टल नेक स्वेटर को जीन्स, स्कर्ट या ट्राउजर के साथ पहन सकती हैं। इसके साथ एक अच्छा पर्स और जूते पहनकर आप पार्टी में चार चांद लगा सकती हैं। अगर आप पार्टी में कुछ अलग और स्टाइलिश पहनना चाहती हैं, तो एक काले रंग की लेदर जैकेट को अपनी लुक में शामिल करें। लेदर जैकेट्स को आप ड्रेस या जींस के साथ पहनकर एक कूल लुक पा सकती हैं। सर्दी में गर्मी के साथ-साथ आपको स्टाइलिश लुक भी चाहिए होता है, तो स्कार्फ और शॉल को अपने आउटफिट का हिस्सा बनाएं। आप इसे ओवरकोट या स्वेटर के ऊपर पहन सकती हैं, जिससे आपकी लुक और भी परफेक्ट लगेगी। इसे साधारण तरीके से डालने की बजाय गले में अलग स्टाइल से डालें। सर्दियों में स्टाइल के साथ आराम भी चाहिए होता है।

साल 2025 में यूपी पुलिस का एनकाउंटर एक्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने बुधवार को यहां बताया कि 2025 में राज्य पुलिस के साथ विभिन्न मुठभेड़ों में 48 कथित बदमाश मारे गए। यह आंकड़ा पिछले आठ सालों में सबसे ज्यादा है। कृष्ण ने यहां प्रेस वार्ता में बताया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए वर्ष 2025 में भी पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही और इस दौरान पुलिस के साथ 2739 मुठभेड़ों में कुल 48 अपराधी मारे गए। उन्होंने बताया कि यह पिछले आठ वर्षों में सबसे ज्यादा संख्या है।

क्या हुआ विश्व चैंपियन डेमियन मार्टिन को ऑस्ट्रेलिया का यह दिग्गज गंभीर बीमारी के बाद कोमा में

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन गंभीर बीमारी मेनिन्जाइटिस से जूझ रहे हैं और ब्रिस्बेन के अस्पताल में इंड्यूस्ड कोमा में हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, पूर्व खिलाड़ी और फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। शानदार टेस्ट और वनडे करियर वाले मार्टिन ने ऑस्ट्रेलिया को दो वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेमियन मार्टिन गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और इस वक्त ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में भर्ती हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 54 वर्षीय मार्टिन को मेनिन्जाइटिस हुआ है, जिसके बाद उनकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें इंड्यूस्ड कोमा (डॉक्टरों की निगरानी में कोमा में) में रखा है। उनकी स्थिति को नाजुक, लेकिन स्थिर बताया जा रहा है। मार्टिन के अचानक बीमार पड़ने की खबर सामने आते ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में चिंता की लहर दौड़ गई। पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और फैंस ने सोशल मीडिया के जरिये उनके जल्द ठीक होने की कामना की है। अस्पताल में चल रहा है इलाज बताया जा रहा है कि डेमियन

मार्टिन पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ महसूस कर रहे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में मेनिन्जाइटिस की पुष्टि हुई और स्थिति गंभीर होने पर उन्हें इंड्यूस्ड कोमा में रखा गया। करीबी सूत्रों के मुताबिक, उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा दी जा रही है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर और मार्टिन के करीबी दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने न्यूज कॉर्प से बातचीत में कहा, 'उन्हें सबसे बेहतर इलाज मिल रहा है। उनकी पार्टनर अमांडा और परिवार को यह भरोसा है कि क्रिकेट जगत से मिल रही दुआएं और शुभकामनाएं उन्हें ताकत देंगी।' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और दिग्गजों की प्रतिक्रिया क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने भी मार्टिन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा, 'डेमियन की बीमारी की खबर से मैं बेहद दुखी हूं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और पूरे क्रिकेट समुदाय की शुभकामनाएं इस वक्त उनके साथ हैं।' पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और साथी खिलाड़ी डैरेन लेहमैन ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश लिखते हुए कहा, 'डेमियन मार्टिन के लिए ढेर सारा प्यार और दुआएं भेज रहे हैं। मजबूत रहो और संघर्ष करते रहो, महान खिलाड़ी।' पूर्व तेज गेंदबाज रॉडनी हॉग ने भी इसे चौंकाने वाली खबर बताते हुए उनके जल्द ठीक होने की कामना की। शानदार टेस्ट करियर की कहानी डेमियन मार्टिन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे सधे हुए और स्टाइलिश बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट मैच खेले और 46.37 की शानदार औसत से रन बनाए। उनका स्ट्रोकप्ले सहज और आकर्षक था, जो उन्हें अलग पहचान देता था। मार्टिन का जन्म डार्विन में हुआ था और उन्होंने महज 21 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। उन्होंने 1992-93 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में दिवंगत डीन जोंस की जगह टीम में एंट्री की। 23 साल की उम्र में वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के कप्तान भी बने। भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ यादगार प्रदर्शन मार्टिन भारत के खिलाफ भारत में ऑस्ट्रेलिया की आखिरी टेस्ट सीरीज जीत (2004 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी) में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। उस दौरे पर उन्होंने आठ पारियों में से चार में ऑस्ट्रेलिया के लिए टॉप स्कोर किया था। उनका टेस्ट करियर का सर्वोच्च स्कोर 165 रन रहा, जो उन्होंने 2005 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। अपने करियर में उन्होंने कुल 13 टेस्ट शतक लगाए। वनडे और वर्ल्ड कप में भी चमक टेस्ट क्रिकेट के अलावा डेमियन मार्टिन ने वनडे क्रिकेट में भी शानदार योगदान दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 208 वनडे मैच खेले और 40.8 की औसत से रन बनाए। मार्टिन 1999 और 2003 वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का अहम हिस्सा रहे। 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने टूटी अंगुली के बावजूद नाबाद 88 रन की ऐतिहासिक पारी खेली और कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ 234 रन की साझेदारी की। वह 2006 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। संन्यास और शांत जीवन मार्टिन ने 2006-07 एशेज सीरीज के दौरान एडिलेड टेस्ट में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला। इसके बाद उन्होंने अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जो कई लोगों के लिए चौंकाने वाला फैसला था। संन्यास के बाद उन्होंने कुछ समय तक कमेंट्री की, लेकिन हाल के वर्षों में वह लाइमलाइट से दूर शांत जीवन जी रहे थे।

दिल्ली कैपिटल्स ने शुरू की महिला प्रीमियर लीग की तैयारी, ली और काप ने ट्रेनिंग सत्र में लिया हिस्सा

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग को शुरू होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है। इसी कड़ी में दिल्ली कैपिटल्स ने भी तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सीजन की तैयारियां शुरू कर दी है। दिल्ली ने सीजन की

शुरूआत से पहले ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया। इसमें दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने काप और उनकी हमवतन लिजेल ली ने भी हिस्सा लिया। भारतीय खिलाड़ी तानिया भाटिया, निकी प्रसाद, मीनू मणि, ममता मडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा भी शिविर में शामिल हो गई हैं। तीन बार फाइनल में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स अपने डब्ल्यूपीएल 2026 अभियान की शुरूआत 10 जनवरी को नवी मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है और मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगी। सत्र पूर्व शिविर के बारे में बात करते हुए बैटी ने कहा, हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं इसलिए टीम का घुलना मिलना अच्छा होगा। गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है। बाकी खिलाड़ी कुछ दिनों में शामिल हो जाएंगी। हम मुंबई जाने से पहले पूरी टीम के साथ ट्रेनिंग शुरू करेंगे ताकि अपने सत्र की शुरूआत कर सकें।

पडिक्कल का तीसरा शतक सरफराज और ऋतुराज की भी सेंचुरी

नई दिल्ली। क्रुणाल पांड्या, सरफराज खान, मयंक अग्रवाल, ऋतुराज गायकवाड़ और देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार फॉर्म दिखाया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले इन्होंने

दावा ठोका है। विजय हजारे ट्रॉफी के चौथे राउंड के मुकाबले जारी हैं। इस राउंड में भी कई खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया है। देवदत्त पडिक्कल ने जहां चार पारियों में तीसरा शतक जड़ा, वहीं मयंक अग्रवाल, क्रुणाल पांड्या, सरफराज खान और ऋतुराज गायकवाड़ ने भी शतक लगाए। वहीं, गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, आकाश दीप और मुकेश कुमार ने कहर बरपाया है। आइए जानते हैं... बड़ौदा बनाम हैदराबाद हैदराबाद के खिलाफ बड़ौदा के कप्तान क्रुणाल पांड्या ने तूफानी शतक जड़ा। उन्होंने 63 गेंद में 18 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली। वहीं, नित्या पांड्या ने 110 गेंद में 122 रन और अमित पासी ने 93 गेंद में 127 रन बनाए। जितेश शर्मा खाता नहीं खोल सके। बंगाल बनाम जम्मू-कश्मीर जम्मू-कश्मीर के खिलाफ बंगाल के तेज गेंदबाजों का कहर बरपा। सिर्फ तीन तेज गेंदबाजों ने मिलकर जम्मू-कश्मीर की पारी को 20.4 ओवर में महज 63 रन पर समेट दिया। नौ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। वहीं, कप्तान पारस डोगरा 19 रन के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। आकाश दीप और मुकेश कुमार ने चार-चार विकेट झटके, जबकि मोहम्मद शमी ने दो विकेट लिए। बंगाल ने 9.3 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कर्नाटक बनाम पुदुचेरी पुदुचेरी के खिलाफ कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल ने 124 गेंद में 15 चौके और दो छक्कों की मदद से 132 रन की पारी खेली। वहीं, देवदत्त पडिक्कल ने चार पारियों में तीसरा शतक जड़ा। वह 116 गेंद में 10 चौके और चार छक्कों की मदद से 113 रन की पारी खेली। करुण नायर ने 62 रन बनाए। इन पारियों की बदौलत कर्नाटक ने 50 ओवर में चार विकेट पर 363 रन बनाए। केरल बनाम राजस्थान केरल के खिलाफ राजस्थान के करण लांबा ने 131 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 119 रन की पारी खेली। वहीं दीपक हुड्डा ने 86 रन बनाए। महाराष्ट्र बनाम उत्तराखंड उत्तराखंड के खिलाफ महाराष्ट्र के बल्लेबाजों का दमखम दिखा। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 113 गेंद में 12 चौके और तीन छक्कों 124 रन की पारी खेली। वहीं, सत्यजीत बच्चाव ने 56 रन और रामकृष्णा घोष ने 47 रन बनाए। इसकी बदौलत महाराष्ट्र ने 50 ओवर में सात विकेट पर 331 रन बनाए। मुंबई बनाम गोवा गोवा के खिलाफ मुंबई के बल्लेबाजों ने भी दमदार बल्लेबाजी की। सरफराज खान ने 75 गेंद में नौ चौके और 14 छक्कों की मदद से 157 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने न्यूजीलैंड सीरीज से पहले भारतीय टीम का दरवाजा खटखटाया है। वहीं, यह सीएसके के लिए भी यह अच्छी खबर है। मुशीर खान ने 60 रन बनाए। हार्दिक तमोरे ने 28 गेंद में 53 रन बनाए। इन पारियों की बदौलत मुंबई ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 444 रन का स्कोर बनाया। वहीं, गोवा से खेलने वाले अर्जुन तेंदुलकर ने आठ ओवर में 78 रन लुटाए। इसके अलावा वह गोवा के लिए ओपनिंग बल्लेबाजी करने भी उतरे, लेकिन 24 रन बनाकर आउट हो गए।

नए साल में स्मोकिंग और शराब छोड़ने का लें संकल्प? इन स्टेप्स से आसान होगी आपकी राह

हम सभी वर्ष 2026 की दहलीज पर खड़े हैं, नए साल के शुरूआत में बहुत से लोग अपने सेहत को ध्यान में रखते हुए सिगरेट और शराब छोड़ने का प्रण लेते हैं। अगर आप उनमें से एक हैं तो ये खबर आपको जरूर पढ़ना चाहिए। वर्ष 2026 की शुरूआत के साथ ही हम सभी अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए नए संकल्प लेते हैं। बहुत से लोग अपनी बुराइयों को छोड़कर जीवन अच्छाई के रास्ते पर जानें का प्रण लेते हैं और इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण कदम है धूम्रपान और शराब जैसी हानिकारक आदतों को पूरी तरह छोड़ना। स्मोकिंग न केवल आपके फेफड़ों को छलनी करती है, बल्कि यह रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर हृदय रोगों के खतरे को 50% तक बढ़ा देती है। वहीं शराब का अत्यधिक सेवन लिवर को स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त करने के साथ-साथ आपके मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन पर भी गहरा आघात करता है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि नशे की लत छोड़ना केवल इच्छा शक्ति का खेल नहीं है, बल्कि यह एक क्रमिक प्रक्रिया है जिसमें सही मार्गदर्शन और धैर्य की आवश्यकता होती है। अगर आप इस साल इन आदतों को छोड़ने का मन बना चुके हैं, तो कुछ बातों को जानना आपके लिए बहुत जरूरी है। ध्यान रखें कि आपका शरीर पहले 24 घंटों के भीतर ही खुद को रिपेयर करना शुरू कर देता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। नशा छोड़ने की राह में सबसे बड़ी बाधा वे 'ट्रिगर्स' होते हैं जो आपको पुरानी आदतों की याद दिलाते हैं। यह कोई विशेष मित्र मंडली, काम का तनाव या खाने के बाद की तलब हो सकती है। इनसे बचने के लिए अपनी दिनचर्या बदलें। जब भी तलब महसूस हो, तो तुरंत एक गिलास ठंडा पानी पिएं या गहरी सांस लेने का व्यायाम करें। शुरूआती कुछ हफ्ते चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन यही समय आपकी जीत तय करता है। धूम्रपान और शराब छोड़ने के दौरान शरीर से निकोटीन और अन्य टॉक्सिन्स को बाहर निकालना जरूरी है। इसके लिए खूब पानी पिएं और विटामिन-उ से भरपूर फल जैसे संतरा और आंवला खाएं। निकोटीन की कमी से होने वाली बेचैनी को कम करने के लिए सौंफ या इलायची चबाना एक कारगर उपाय है। अच्छी डाइट न केवल शरीर को ऊर्जा देगी, बल्कि शराब की 'क्रेविंग' को भी कम करने में मदद करेगी।

ऐप्जा संगठन पीलीभीत का शपथ ग्रहण समारोह काशीराम बारात घर में हुआ संपन्न

गन्ना राज्य मंत्री संजय गंगवार ने दीप प्रज्वलन कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

पीलीभीत । 28 दिसम्बर को टनकपुर रोड स्थित पीलीभीत बैंक्विट हॉल में आयोजित ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (।प्श्र।) की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऐप्जा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा, विशिष्ट अतिथि श्री संजय सिंह गंगवार राज्यमंत्री (गन्ना विकास एवं चीनी मिलें), जिलाधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह , पीलीभीत नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती आस्था अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने पत्रकारिता को लोकतंत्र का मजबूत चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि यदि किसी सरकार ने सबसे अधिक कार्य पत्रकारों के हित में किया है, तो वह भाजपा की डबल इंजन सरकार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और सुविधाओं को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी पत्रकार हित में ठोस कदम उठाती रहेगी। अपने संबोधन में राज्यमंत्री ने पत्रकारों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए प्रेस क्लब के निर्माण के लिए अपने एक

माह का वेतन देने की घोषणा की। साथ ही जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में प्रेस क्लब की स्थापना हेतु भूमि उपलब्ध करवाने सहित प्रशासनिक स्तर से यथासंभव व्यवस्था की जाए। राज्यमंत्री ने ऐपजा के मांगपत्र के अंतर्गत पत्रकारों पर फर्जी मुकदमों की निष्पक्ष जांच, समूह बीमा योजना, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने सहित अन्य समस्याओं के समाधान का आश्वासन भी दिया। उन्होंने यह भी कहा कि पीलीभीत में उनके प्रयासों से एशिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री शुरू होने जा रही है, जिससे जनपद के करीब 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। यह परियोजना जिले के आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी। ऐपजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा गया की हर पत्रकार हमारा भाई है हमारा हिस्सा है हर पत्रकार की समस्या हमारी समस्या है और उसको प्रमुखता के साथ हल किया जाएगा उन्होंने पूर्व में संगठन द्वारा पत्रकारों को हित की लड़ी गई लड़ाइयों का जिक्र करते हुए सभी को आश्वस्त किया कि संगठन हमेशा आप लोगों के साथ खड़ा रहेगा। संगठन के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी ने अपने संभाषण में पत्रकारों के हित की बात करते हुए एवं पत्रकारों के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा इस प्रकार से कई वक्तव्य जाहिर किया तथा पत्रकारों के साथ हमेशा दिन–रात खड़े रहने का वादा किया। जिला अधिकारी पीलीभीत ने भी ऐप्जा संगठन एवं पत्रकारों के हित एवं सम्मान के लिए विशेष आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाने वाली टीम में मंडल अध्यक्ष अनुज सक्सेना, मंडल संरक्षक श्रीष सक्सेना, मंडल संरक्षक राजीव गुप्ता, पीलीभीत जिला अध्यक्ष अभिषेक पांडे, पीलीभीत जिला संरक्षक राजकुमार श्रीवास्तव, जिला संरक्षक विनय सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष विकास कश्यप, जिला उपाध्यक्ष कपिल शर्मा, सबलू खान, मोहम्मद तारिक़, मोहम्मद हनीफ़ के साथ जिले की पूरी टीम ने एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम के दौरान ।प्श्र। की नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई और पत्रकारिता के मूल्यों, निष्पक्षता और जनहित में कार्य करने का संकल्प दोहराया गया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

पीलीभीत।जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माहद्2026 के अंतर्गत एक वृहद कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला पुरनपुर रोड स्थित प्रत्यायन चालक प्रशिक्षण केंद्र, पीलीभीत में संपन्न हुई। कार्यशाला का आयोजन सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें जनपद के परिवहन व्यवसायियों, वाहन स्वामियों और वाहन चालकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को सेफ ड्राइविंग और लेन ड्राइविंग से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने सड़क सुरक्षा से जुड़े अहम तथ्यों, दुर्घटनाओं के आंकड़ों और उनके गंभीर दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अधिकतर सड़क हादसे तेज रफ्तार, गलत लेन परिवर्तन, हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग न करने और लापरवाह ओवरटेकिंग के कारण होते हैं। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करने और स्वयं व अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी वैभव सोती ने लेन ड्राइविंग के नियमों, संकेत चिन्हों और उसके महत्व की जानकारी व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि लेन अनुशासन से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आती है, बल्कि यातायात व्यवस्था भी अधिक सुचारु हो जाती है।

भाजपा विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल का निधन

बैठक के दौरान हुआ हार्ट अटैक एक दिन पहले था जन्मदिन

बरेली रू फरीदपुर से भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार को निधन हो गया। वह सर्किट हाउस में बैठक में मौजूद थे। बैठक के दौरान ही अचानक उनको हृदयाघात (हार्ट अटैक) हुआ था। उन्हें उनके सहयोगियों ने वहां से ले जाकर आनन फानन मेडीसिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। उन्हें बचाने के लिए सीपीआर समेत तमाम चिकित्सकीय प्रयास किए, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती चली गई। वेंटीलेटर पर लिए गए, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

पिपिंग सेरेमनी में पुलिस कप्तानों के कंधों पर सजे नए सितारे, एडीजी-डीआईजी ने लगाए रैंक बैज

बरेली। बरेली जोन मुख्यालय में शुक्रवार को पुलिस महकमे में पदोन्नति की खुशी और सम्मान का माहौल देखने को मिला। अनुशासन, जिम्मेदारी और वर्दी के सम्मान का प्रतीक मानी जाने वाली पिपिंग सेरेमनी में तीन जिलों के पुलिस कप्तानों के कंधों पर नए सितारे सजे, तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा और डीआईजी बरेली रेंज अजय कुमार साहनी ने प्रोन्नत अधिकारियों को स्वयं रैंक बैज और कॉलर बैंड पहनाकर सम्मानित किया तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इससे एक दिन पहले बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य को भी सेलेक्शन ग्रेड पर प्रोन्नति मिलने के बाद रैंक बैज और कॉलर बैंड पहनाए गए थे। पिपिंग सेरेमनी को संबोधित करते हुए एडीजी रमित शर्मा ने कहा कि पदोन्नति केवल सम्मान नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों और अपेक्षाओं में वृद्धि का प्रतीक होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रोन्नत अधिकारी अपने अनुभव, ऊर्जा और नेतृत्व क्षमता से कानून-व्यवस्था

को और मजबूत करेंगे। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने इसे व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ पूरे रेंज के लिए गर्व का क्षण बताया। कार्यक्रम का सबसे खास क्षण तब आया, जब पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव के कंधों पर डीआईजी के सितारे लगाए गए। वर्ष 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिषेक यादव को 31 दिसंबर 2025 से पुलिस उप महानिरीक्षक पद पर पदोन्नति दी गई है। मूल रूप से हरियाणा के गुरुग्राम निवासी अभिषेक यादव ने 22 अप्रैल 2025 को पीलीभीत जिले की कमान संभाली थी और अपनी तेजतर्रार कार्यशैली, सख्त अनुशासन तथा अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के लिए पहचाने जाते हैं। उनके कंधों पर नया रैंक बैज लगते ही सभागार तालियों से गूंज उठा। इसके अलावा बदायूं के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. बृजेश कुमार सिंह और शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी को भी सेलेक्शन ग्रेड प्रदान किया गया। दोनों अधिकारियों को उनकी सख्त प्रशासनिक पकड़, प्रभावी कानून-व्यवस्था और जनहितकारी पुलिसिंग के लिए सराहा गया। पिपिंग सेरेमनी में हुए इन प्रमोशनों को न केवल अधिकारियों की अब तक की सेवाओं की पहचान माना जा रहा है, बल्कि आने वाले समय में और अधिक सशक्त, जवाबदेह और प्रभावी पुलिसिंग की उम्मीद के रूप में भी देखा जा रहा है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बैठक

मीरगंज। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के क्रम में निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को तहसील सभागार मीरगंज में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

एक्सप्रेस व्यूज
(हिन्दी मासिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मोहित कुमार द्वारा ए. के प्रिंटर्स, मोहल्ला भूरे खां, पीलीभीत से मुद्रित कराकर म.नं. 87, मोहल्ला थान सिंह पीलीभीत (उ0प्र0) 262001 से प्रकाशित किया गया।
सम्पादक
मोहित कुमार
नोट : सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पीलीभीत न्यायालय होगा।